CBSE Class 8 Social Science Important Questions History Chapter 1 कैसे, कब और कहाँ

अतिलघूत्तरात्मक प्रश्न

प्रश्न 1.
क्या इतिहास को केवल तारीखों का पर्याय माना जा सकता है? क्यों अथवा क्यों नहीं?
उत्तर:
नहीं। क्योंकि कई ऐतिहासिक घटनाएँ एक लम्बी प्रक्रिया का परिणाम हो सकती हैं।

प्रश्न 2.
भारत के कोई चार गवर्नर-जनरलों के नाम दीजिए।
उत्तर:

- वॉरेन हेस्टिंग्स,
- लॉर्ड डलहौजी
- लॉर्ड कर्जन,
- इरविन।

प्रश्न 3.
ब्रिटिश इतिहासकारों द्वारा लिखे गये भारतीय इतिहास में मुख्यतः किनका वर्णन है?
उत्तर:
इनके द्वारा लिखे गये इतिहास में मुख्यतः गवर्नर जनरलों तथा वायसरॉयों की नीतियों एवं कार्यों का वर्णन है।

प्रश्न 4.
जेम्स मिल कौन था?
उत्तर:
जेम्स मिल स्कॉटलैण्ड का अर्थशास्त्री तथा राजनीतिक दार्शनिक था।

प्रश्न 5.
जेम्स मिल द्वारा रचित पुस्तक का नाम लिखिए।
उत्तर:
ए हिस्ट्री ऑफ ब्रिटिश इण्डिया (ब्रिटिश भारत का इतिहास)।

प्रश्न 6.
जेम्स मिल ने भारतीय इतिहास को कितने कालखण्डों में बाँटा था?

उत्तर:
तीन कालखण्डों में-

- हिन्दू,
- मुस्लिम तथा
- ब्रिटिश।

प्रश्न 7.
एशियाई समाजों के बारे में मिल को क्या लगता था?
उत्तर:
मिल को लगता था कि सभी एशियाई समाज सभ्यता के मामले में यूरोप से पीछे हैं।

प्रश्न 8.
इतिहासकारों ने भारतीय इतिहास को अंग्रेजों से भिन्न रूप से कितने काल-खण्डों में बाँटा है?
उत्तर:
तीन काल-खण्डों में-

- प्राचीन काल,
- मध्यकाल,
- आधुनिक काल।

प्रश्न 9.
भारत के औपनिवेशिक इतिहास लेखन के कोई दो महत्त्वपूर्ण स्रोत बतलाइये।
उत्तर:

- अंग्रेजी शासन द्वारा तैयार किये गये सरकारी रिकार्ड।
- महत्त्वपूर्ण लोगों की आत्मकथाएँ।

प्रश्न 10.
जनगणना से क्या जानकारियाँ एकत्रित की जाती थीं?
उत्तर:
जनगणना के द्वारा भारत के सभी प्रान्तों में रहने वाले लोगों की संख्या, उनकी जाति, इलाके और व्यवसाय के बारे में जानकारियाँ एकत्रित की जाती थीं।

प्रश्न 11.
खुशनवीसी कौन होते हैं?
उत्तर:
खुशनवीसी या सुलेखनवीस वे लोग होते हैं जो बहुत सुन्दर ढंग से चीजें लिखते हैं।

https://www.evidyarthi.in/

प्रश्न 12.
पश्चिम में आधुनिक काल को क्या माना जाता हैं।
उत्तर:
पश्चिम में आधुनिक काल को विज्ञान, तर्क, लोकतंत्र, मुक्ति और समानता जैसी आधुनिकता की ताकतों के विकास का युग माना जाता है।

लघूत्तरात्मक प्रश्न

प्रश्न 1.
इतिहास क्या है? समझाइए।
उत्तर:

- आम समझ के हिसाब से इतिहास को तारीखों का पर्याय माना जाता था लेकिन केवल तारीखों का अध्ययन ही इतिहास नहीं है।
- यह अलग-अलग समय पर समाज में आये बदलावों का भी अध्ययन है।
- इसका सम्बन्ध इस बात से भी है कि अतीत में चीजें किस तरह की थीं और उनमें क्या बदलाव आए हैं।

प्रश्न 2.
आधुनिक इतिहासकार किस तरह के मुद्दों तथा सवालों पर भी लिखने लगे हैं?
उत्तर:
वर्तमान में इतिहासकार निम्न बातों पर भी लिखने लगे हैं-

- लोग किस तरह अपनी आजीविका चलाते थे।
- लोग क्या पैदा करते थे तथा क्या खाते थे।
- शहर किस तरह बने तथा बाजार किस तरह फैले।
- रियासतें किस तरह बनीं, नये विचार कैसे पनपे तथा संस्कृति व समाज किस तरह बदले।

प्रश्न 3.
कोई इतिहास या कहानी लिखते समय उसे टुकड़ों या अध्यायों में क्यों बाँटा जाता है?
उत्तर:

- ऐसा इसलिए किया जाता है ताकि हर अध्याय में कुछ सामंजस्य रहे।
- इससे इतिहास अथवा कहानी को आसानी से समझा जा सकता है तथा याद रखा जा सकता है।
- इस प्रक्रिया में सिर्फ उन घटनाओं पर जोर दिया जाता है जो उस इतिहास अथवा कहानी को पेश करने में मददगार होती हैं।

प्रश्न 4.
इतिहास को अलग-अलग काल-खण्डों में बाँटने का प्रयत्न क्यों किया जाता है?
उत्तर:
इतिहास को अलग-अलग काल-खण्डों में बाँटने का प्रयत्न इसलिये किया जाता है जिससे किसी एक दौर अथवा समयावधि की विशेषताओं तथा उसके केन्द्रीय तत्त्वों को समझा जा सके। काल-खण्डों में बाँटने से एक अवधि से दूसरी अवधि के बीच आए बदलावों की भी जानकारी हो जाती थी।

प्रश्न 5.
इतिहासकार औपनिवेशिक युग किसे कहते हैं?
उत्तर:
अंग्रेजों के शासन काल में लोगों के पास समानता, स्वतन्त्रता या आजादी नहीं थी तथा न ही यह आर्थिक विकास और प्रगति का दौर था। इस दौर को इतिहासकार ।'औपनिवेशिक युग' कहते हैं।

प्रश्न 6.
औपनिवेशीकरण किसे कहते हैं?
उत्तर:
जब एक देश पर दूसरे देश के दबदबे से वहाँ राजनीतिक, आर्थिक, सामाजिक तथा सांस्कृतिक बदलाव (मूल मान्यताओं, पसन्द-नापसन्द तथा रीति-रिवाज व तौरतरीकों आदि में बदलाव) आते हैं, तो इस प्रक्रिया को औपनिवेशीकरण कहते हैं।

प्रश्न 7.
भारत की अर्थव्यवस्था पर नियंत्रण स्थापित करने के लिए अंग्रेजों ने क्या कोशिशें की?
उत्तर:

- अंग्रेजों ने अपने सारे खर्चों को निपटाने के लिए राजस्व वसूल किया।
- उन्होंने अपनी जरूरत की चीजों को सस्ती कीमत पर खरीदा।
- निर्यात के लिए उन्होंने यहाँ पर महत्त्वपूर्ण फसलों की खेती कराई।

प्रश्न 8.
अभिलेखागारों का क्या महत्त्व है?
उत्तर:

- इनमें महत्त्वपूर्ण दस्तावेज सुरक्षित रखे जाते हैं।
- अभिलेखागारों में हम उन पत्रों एवं ज्ञापनों को देख सकते हैं जो उन्नीसवीं सदी की शुरुआत में प्रशासन की एक शाखा से दूसरी शाखा के पास भेजे गये थे।
- इनमें हम जिला अधिकारियों द्वारा तैयार किये गये नोट्स तथा रिपोर्ट एवं उच्च अधिकारियों द्वारा प्रान्तीय अधिकारियों को भेजे गए सुझाव एवं निर्देश देख सकते हैं।

प्रश्न 9.
दस्तावेजों की प्रतियाँ किस प्रकार बनाई जाती थीं?
उत्तर:
खुशनवीसी या सुलेखनवीस दस्तावेजों की सावधानीपूर्वक नकलें बनाते थे। उन्नीसवीं सदी के मध्य तक छपाई तकनीक प्रचलित होने के कारण अब इसके द्वारा दस्तावेजों की प्रतियाँ बनाई जाने लगी थीं।

प्रश्न 10.
अंग्रेजी शासन के दौरान किये जाने वाले प्रमुख सर्वेक्षण बतलाइये।
उत्तर:
अंग्रेजी शासन के दौरान अनेक प्रकार के सर्वेक्षण कराये गये। इनमें प्रमुख निम्न थे-

- राजस्व सर्वेक्षण,

https://www.evidyarthi.in/

- जनगणना सर्वेक्षण,
- वानस्पतिक सर्वेक्षण,
- प्राणि वैज्ञानिक सर्वेक्षण,
- पुरातत्वीय सर्वेक्षण,
- मानवशास्त्रीय सर्वेक्षण,
- वन सर्वेक्षण आदि।

प्रश्न 11.
औपनिवेशिक शासन में कराये गये सर्वेक्षणों के उद्देश्य बताइये।
उत्तर:

- पूरे देश का नक्शा तैयार करना।
- धरती की सतह, मिट्टी की गुणवत्ता, वहाँ मिलने वाले पेड़-पौधों, जीव-जन्तुओं एवं स्थानीय इतिहासों तथा फसलों का पता लगाना।
- प्रशासन को समुचित ढंग से चलाने के लिए जानकारियाँ एकत्रित करना।

प्रश्न 12.
अधिकृत सरकारी रिकार्डों से हमें क्या पता चलता है?
उत्तर:
अधिकृत सरकारी रिकार्डों से हमें केवल निम्न सूचनाएँ मिलती हैं-

- सरकारी अफसर क्या सोचते थे।
- उनकी दिलचस्पी किन चीजों में थी।
- बाद के लिए वे किन चीजों को बचाये रखना चाहते थे।

प्रश्न 13.
सरकारी रिकॉर्ड्स की क्या सीमाएँ थीं? वर्णन कीजिए।
अथवा
इतिहास के स्रोत के रूप में सरकारी रिकॉर्ड्स का अध्ययन करते समय आप किन बातों को ध्यान में रखेंगे?
उत्तर:

- सरकारी रिकार्ड्स निष्पक्ष नहीं होते। वे सरकारी कार्यों को जायज ठहराते थे।
- इनसे केवल सरकारी दृष्टिकोण की ही जानकारी मिलती थी।
- सरकारी रिकार्ड्स से यह समझने में मदद नहीं मिलती कि देश के दूसरे लोग क्या महसूस करते थे और उनकी कार्यवाहियों की क्या वजह थी।